an>

Title: Need to provide financial assistance from Calamity Relief Fund to the farmers of Rajasthan whose crops have been damaged due to unseasonal rains and hailstorms.

श्री महावीर भगोरा (सलूम्बर) : अध्यक्ष महोदय, राजस्थान प्रदेश के उदयपुर संभाग में दिनांक 30 मार्च से 5 अप्रैल तक पूरे सप्ताह बेमौसम की असामयिक वर्षा, ओलावृष्टि और आंधी/तूफान का भीषण दौर रहा। इससे पूर्व दिसम्बर, 2007 से फरवरी, 2008 में पाले से खराबी के कारण सरकसों का एक हजार करोड़ रूपए से अधिक का उत्पादन प्रभावित हुआ है। राज्य में इस वर्ष सरसों का औसत से 6 लाख मीट्रिक टन कम उत्पादन हुआ है। राज्य सरकार ने 126 करोड़ रूपए की मदद स्वीकृत की है, जिसे किसानों ने नाकाफी बताया हे।

वर्तमान में सरसों का बाजार भाव दो से ढाई हजार रूपए प्रति क्विंटल तथा समर्थन मूल्य 1825 रूपए प्रति क्विंटल है। बाजार भाव को छोड़ दें और केवल समर्थन मूल्य के लिहाज से ही देखें तो 6 लाख मीट्रिक टन सरसों का मूल्य एक हजार करोड़ रूपए से अधिक होता है। प्रदेश में नुकसान की स्थिति इस प्रकार है-

1. पाले से इस क्षेत्र् के 22 जिले प्रभावित हुए थे। हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर में सर्वाधिक खराबी हुई है।

2. 8.96 लाख हेक्टेयर में फसलें खराब हुई थीं।

3. जीरे की फसल में 70 से 80 प्रतिशत की खराबी हुई है।

4. 3.45 लाख हेक्टेयर में 50 प्रतिशत से ज्यादा खराबी हुई है।

5. मंडियों में रखी करोड़ों की गेहूं, मिर्च, सरसों की ढेरियां भीग जाने से गुणवत्ता में कमी आई है।

6. 1.40 लाख किसान प्रभावित हुए।

7. ओले से सरसों व चना के अलावा सब्जियों की फसलों में जोरदार खराबी हुई थी।

8. मवेशियों, पेड़ों की क्षति हुई है।

उदयपुर संभाग में खड़ी व कटी हुई फसलों को 20 से 25 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान हुआ है।

मेरा कृषि मंत्री व प्रधान मंत्री से आग्रह है कि राजस्थान के किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए राजस्थान प्रदेश को प्राकृतिक आपदा कोष से विशेष पैकेज स्वीकृत किया जाये।